



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-सा.-14102023-249431
CG-DL-W-14102023-249431

साप्ताहिक/WEEKLY
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 41] नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 14—अक्टूबर 20, 2023 (आश्विन 22, 1945)
No. 41] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 14—OCTOBER 20, 2023 (ASVINA 22, 1945)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

	पृष्ठ सं.		पृष्ठ सं.
भाग I—खण्ड-1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं.....	617	छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं.....	*
भाग I—खण्ड-2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....	951	भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिसमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं).....	*
भाग I—खण्ड-3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....	11	भाग II—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश.....	*
भाग I—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....	2291	भाग III—खण्ड-1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं.....	1975
भाग II—खण्ड-1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम.....	*	भाग III—खण्ड-2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंटों और डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस.....	*
भाग II—खण्ड-1क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ.....	*	भाग III—खण्ड-3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं.....	*
भाग II—खण्ड-2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट.....	*	भाग III—खण्ड-4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं.....	183
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं).....	*	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस.....	3663
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक		भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला सम्पूर्क.....	*

*आंकड़े प्राप्त नहीं हुए।

CONTENTS

	Page No.		Page No.
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	617	(other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	951	PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence.....	11	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	2291	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	1975
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations.....	*	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	*
PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi language, of Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	*
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	183
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministry of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	3663
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India		PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*

*Folios not received.

भाग I—खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

[(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं]

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 अक्टूबर 2023

सं. 84-प्रेज/2023—राष्ट्रपति, भारत में राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के पुलिस बलों/केंद्रीय पुलिस संगठनों (सीपीओ)/केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ), सुरक्षा संगठनों, अग्निशमन सेवा (केंद्रीय मंत्रालयों या विभागों, राज्य सरकारों, संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों, नगरपालिका और अन्य स्वायत्त निकायों एवं सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा संगठित और प्रशासित), जेल प्रशासन, होम गार्ड एवं सिविल डिफेंस के मान्यता-प्राप्त सदस्यों के दुर्लभ विशिष्ट वीरता कार्य को मान्यता प्रदान करने के लिए दिए जाने वाले "राष्ट्रपति का वीरता पदक" पुरस्कार का गठन सहर्ष करती हैं और "राष्ट्रपति का वीरता पदक" को शासित करने के लिए निम्नलिखित संविधियां स्थापित करती हैं जो वर्ष दो हजार तेईस में अक्टूबर माह के चौदहवें दिन से प्रभावी होंगी।

प्रथमतः : यह पुरस्कार एक पदक के रूप में होगा और "राष्ट्रपति का वीरता पदक" के नाम से जाना जाएगा एवं (इसके पश्चात इसका उल्लेख पदक के रूप में होगा)।

दूसरे : पदक आकार में गोलाकार होगा, चांदी के स्वर्ण गिल्ट से बना होगा, इसका व्यास एक सही तीन बटे आठ इंच होगा, इसकी मोटाई 3 मिमी होगी और बीच में आदर्श वाक्य "सत्यमेव जयते" के साथ राष्ट्र का प्रतीक चिन्ह उभरा होगा और ऊपरी किनारे पर "राष्ट्रपति का वीरता पदक" शब्द और निचले किनारे पर "President's Medal for Gallantry" शब्द उत्कीर्ण होगा। हिंदी और अंग्रेजी उत्कीर्ण दोनों ओर एक छोटे स्टार द्वारा अलग होंगे। पृष्ठ भाग पर मध्य में "अशोक चक्र" और ऊपरी और निचले किनारे पर क्रमशः "राष्ट्रपति का वीरता पदक" और "President's Medal for Gallantry" शब्द उत्कीर्ण होंगे। हिंदी और अंग्रेजी उत्कीर्ण दोनों ओर एक छोटे स्टार द्वारा अलग होंगे।

तीसरे : जिन्हें यह पदक प्रदान किया जाएगा, उनके नाम भारत के राजपत्र में प्रकाशित किए जाएंगे और गृह मंत्रालय में ऐसे नामों का रजिस्टर ऐसे व्यक्ति द्वारा रखा जाएगा जिसे राष्ट्रपति निदेश दे।

चौथे : प्रत्येक पदक बाएं वक्ष पर प्रलंबित होगा और रिबन, एक सही तीन बटे आठ इंच चौड़ी पट्टी होगी, जो आधा नीला और आधा रजत-श्वेत रंग का होगा और दोनों रंग एक 1/8 इंच चौड़ी ऊर्ध्वाधर लाल धारी से पृथक् किए जाएंगे।

पांचवे : बहादुरी का ऐसा कार्य जो "राष्ट्रपति का वीरता पदक" के पुरस्कार प्रदान किए जाने के योग्य है, किन्तु किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा किया गया है जिसे पहले ही अलंकरण प्रदान किया जा चुका है तो उसे उस पट्टी के साथ एक बार जोड़ कर रिकार्ड किया जायेगा जिससे पदक प्रलंबित है। ऐसे प्रत्येक अतिरिक्त कार्य के लिये एक अतिरिक्त बार जोड़ा जाएगा और प्रदान किये गये प्रत्येक बार के लिये, एक छोटा चांदी का गुलाब पट्टी से जोड़ा जाएगा जब इसे अकेले धारण किया जाए।

छठे : राष्ट्रपति, उक्त अलंकरण के सम्बंध में किसी व्यक्ति को दिये गये पुरस्कार को रद्द करने और विलोपन करने के लिये सक्षम है और ऐसा करने पर उसका नाम रजिस्टर से हटा दिया जायेगा। तथापि, राष्ट्रपति, ज़ब्त किये गये अलंकरण को बहाल करने के लिये सक्षम है। जिस व्यक्ति को यह अलंकरण प्रदान किया गया है वह इसे प्राप्त करने से पहले इस आशय के करार पर हस्ताक्षर करेगा कि यदि उसका नाम हटा जाता है तो वह पदक वापस देगा। प्रत्येक मामले में पदक रद्द करने या बहाल करने का नोटिस भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जायेगा।

सातवे : गृह मंत्रालय, इन संविधियों के प्रयोजनों को कार्यान्वित करने के लिए नियम बनाने में सक्षम होगा।

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 85-प्रेज/2023—राष्ट्रपति, भारत में राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के पुलिस बलों/केंद्रीय पुलिस संगठनों (सीपीओ)/केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ), सुरक्षा संगठनों, अग्निशमन सेवा (केंद्रीय मंत्रालयों या विभागों, राज्य सरकारों, संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों, नगरपालिका और

अन्य स्वायत्त निकायों एवं सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा संगठित और प्रशासित), जेल प्रशासन, होम गार्ड एवं सिविल डिफेंस के मान्यता-प्राप्त सदस्यों के विशिष्ट वीरता कार्य को मान्यता प्रदान करने के लिए दिए जाने वाले "वीरता पदक" पुरस्कार का गठन सहर्ष करती हैं और "वीरता पदक" को शासित करने के लिए निम्नलिखित संविधियां स्थापित करती हैं जो वर्ष दो हजार तेईस में अक्टूबर माह के चौदहवें दिन से प्रभावी होंगी:

प्रथमतः : यह पुरस्कार एक पदक के रूप में होगा और "वीरता पदक" के नाम से जाना जाएगा एवं (इसके पश्चात इसका उल्लेख पदक के रूप में होगा)।

दूसरे : पदक आकार में गोलाकार होगा, कप्रोनिकेल से बना होगा, इसका व्यास एक सही तीन बटे आठ इंच होगा, इसकी मोटाई 3 मिमी होगी और बीच में आदर्श वाक्य "सत्यमेव जयते" के साथ राष्ट्र का प्रतीक चिन्ह उभरा होगा और ऊपरी किनारे पर "वीरता पदक" शब्द और निचले किनारे पर "Medal for Gallantry" शब्द उत्कीर्ण होगा। हिंदी और अंग्रेजी उत्कीर्णन दोनों ओर एक छोटे स्टार द्वारा अलग होंगे। पृष्ठ भाग पर मध्य में "अशोक चक्र" और ऊपरी और निचले किनारे पर क्रमशः "वीरता पदक" और "Medal for Gallantry" शब्द उत्कीर्ण होंगे। हिंदी और अंग्रेजी उत्कीर्णन दोनों ओर एक छोटे स्टार द्वारा अलग होंगे।

तीसरे : जिन्हें यह पदक प्रदान किया जाएगा, उनके नाम भारत के राजपत्र में प्रकाशित किए जाएंगे और गृह मंत्रालय में ऐसे नामों का रजिस्टर ऐसे व्यक्ति द्वारा रखा जाएगा जिसे राष्ट्रपति निदेश दे।

चौथे : प्रत्येक पदक बाएं वक्ष पर प्रलंबित होगा और रिबन, एक सही तीन बटे आठ इंच चौड़ी पट्टी होगी और इसमें तीन ऊर्ध्वाधर धारियाँ होंगी जो बाएँ में केसरिया, बीच में सुनहरा पीला और दाहिने ओर हरे रंग की होंगी। प्रत्येक धारी रिबन की चौड़ाई की एक तिहाई आकार की होगी।

पांचवे : बहादुरी का ऐसा कार्य जो "वीरता पदक" के पुरस्कार प्रदान किए जाने के योग्य है, किन्तु किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा किया गया है जिसे पहले ही अलंकरण प्रदान किया जा चुका है तो उसे उस पट्टी के साथ एक बार जोड़ कर रिकार्ड किया जायेगा जिससे पदक प्रलंबित है। ऐसे प्रत्येक अतिरिक्त कार्य के लिये एक अतिरिक्त बार जोड़ा जाएगा और प्रदान किये गये प्रत्येक बार के लिये, एक छोटा चांदी का गुलाब पट्टी से जोड़ा जाएगा जब इसे अकेले धारण किया जाए।

छठे : राष्ट्रपति, उक्त अलंकरण के सम्बंध में किसी व्यक्ति को दिये गये पुरस्कार को रद्द करने और विलोपन करने के लिये सक्षम है और ऐसा करने पर उसका नाम रजिस्टर से हटा दिया जायेगा। तथापि, राष्ट्रपति, ज़ब्त किये गये अलंकरण को बहाल करने के लिये सक्षम है। जिस व्यक्ति को यह अलंकरण प्रदान किया गया है वह इसे प्राप्त करने से पहले इस आशय के करार पर हस्ताक्षर करेगा कि यदि उसका नाम हटा जाता है तो वह पदक वापस देगा। प्रत्येक मामले में पदक रद्द करने या बहाल करने का नोटिस भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जायेगा।

सातवे : गृह मंत्रालय, इन संविधियों के प्रयोजनों को कार्यान्वित करने के लिए नियम बनाने में सक्षम होगा।

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 86-प्रेज/2023—राष्ट्रपति, भारत में राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के पुलिस बलों/केंद्रीय पुलिस संगठनों (सीपीओ)/केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ), सुरक्षा संगठनों, अग्निशमन सेवा (केंद्रीय मंत्रालयों या विभागों, राज्य सरकारों, संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों, नगरपालिका और अन्य स्वायत्त निकायों एवं सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा संगठित और प्रशासित), जेल प्रशासन, होम गार्ड एवं सिविल डिफेंस के मान्यता-प्राप्त सदस्यों के विशिष्ट सेवा को मान्यता प्रदान करने के लिए दिए जाने वाले "राष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पदक" पुरस्कार का गठन सहर्ष करती हैं और "राष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पदक" को शासित करने के लिए निम्नलिखित संविधियां स्थापित करती हैं जो वर्ष दो हजार तेईस अक्टूबर माह के चौदहवें दिन से प्रभावी होंगी :

प्रथमतः : यह पुरस्कार एक पदक के रूप में होगा और "राष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पदक" के नाम से जाना जाएगा एवं (इसके पश्चात इसका उल्लेख पदक के रूप में होगा)।

दूसरे : पदक आकार में गोलाकार होगा, कप्रोनिकेल से बना होगा, इसका व्यास एक सही तीन बटे आठ इंच होगा, इसकी मोटाई 3 मिमी होगी और बीच में आदर्श वाक्य "सत्यमेव जयते" के साथ राष्ट्र का प्रतीक चिन्ह उभरा होगा और ऊपरी किनारे पर "राष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पदक" शब्द और निचले किनारे पर "President's Medal for Distinguished Service" शब्द उत्कीर्ण होगा। हिंदी और अंग्रेजी उत्कीर्णन दोनों ओर एक छोटे स्टार द्वारा अलग होंगे। पृष्ठ भाग पर मध्य में "अशोक चक्र" और ऊपरी और निचले किनारे पर क्रमशः "राष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पदक" और "President's Medal for Distinguished Service" शब्द उत्कीर्ण होंगे। हिंदी और अंग्रेजी उत्कीर्णन दोनों ओर एक छोटे स्टार द्वारा अलग होंगे।

तीसरे : जिन्हें यह पदक प्रदान किया जाएगा, उनके नाम भारत के राजपत्र में प्रकाशित किए जाएंगे और गृह मंत्रालय में ऐसे नामों का रजिस्टर ऐसे व्यक्ति द्वारा रखा जाएगा जिसे राष्ट्रपति निदेश दे।

चौथे : प्रत्येक पदक बाएं वक्ष पर प्रलंबित होगा और रिबन, एक सही तीन बटे आठ इंच चौड़ी पट्टी होगी और इसमें 8 मिमी चौड़ाई की नीले रंग की दो ऊर्ध्वाधर धारियाँ और बीच में सुनहरे पीले रंग की धारी होगी। नीले और सुनहरे पीले रंग की धारियाँ 4 मिमी चौड़ाई की लाल रंग की दो ऊर्ध्वाधर धारियों से अलग की जाएंगी।

पांचवे : राष्ट्रपति, उक्त अलंकरण के सम्बंध में किसी व्यक्ति को दिये गये पुरस्कार को रद्द करने और विलोपन करने के लिये सक्षम है और ऐसा करने पर उसका नाम रजिस्टर से हटा दिया जायेगा। तथापि, राष्ट्रपति, ज़ब्त किये गये अलंकरण को बहाल करने के लिये सक्षम है। जिस व्यक्ति को यह अलंकरण प्रदान किया गया है वह इसे प्राप्त करने से पहले इस आशय के करार पर हस्ताक्षर करेगा कि यदि उसका नाम हटा जाता है तो वह पदक वापस देगा। प्रत्येक मामले में पदक रद्द करने या बहाल करने का नोटिस भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जायेगा।

छठे : गृह मंत्रालय, इन संविधियों के प्रयोजनों को कार्यान्वित करने के लिए नियम बनाने में सक्षम होगा।

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 87-प्रेज/2023—राष्ट्रपति, भारत में राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के पुलिस बलों/केंद्रीय पुलिस संगठनों (सीपीओ)/केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ), सुरक्षा संगठनों, अग्निशमन सेवा (केंद्रीय मंत्रालयों या विभागों, राज्य सरकारों, संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन, नगरपालिका और अन्य स्वायत्त निकायों एवं सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा संगठित और प्रशासित), जेल प्रशासन, होम गार्ड एवं सिविल डिफेंस के मान्यता-प्राप्त सदस्यों के सराहनीय सेवा को मान्यता प्रदान करने के लिए दिए जाने वाले "सराहनीय सेवा के लिए पदक" पुरस्कार का गठन सहर्ष करती हैं और "सराहनीय सेवा के लिए पदक" को शासित करने के लिए निम्नलिखित संविधियां स्थापित करती हैं जो वर्ष दो हजार तेईस में अक्टूबर माह के चौदहवें दिन से प्रभावी होंगी।

प्रथमतः : यह पुरस्कार एक पदक के रूप में होगा और "सराहनीय सेवा के लिए पदक" के नाम से जाना जाएगा एवं (इसके पश्चात इसका उल्लेख पदक के रूप में होगा)।

दूसरे : पदक आकार में गोलाकार होगा, कांसे से बना होगा, इसका व्यास एक सही तीन बटे आठ इंच होगा, इसकी मोटाई 3 मिमी होगी और बीच में आदर्श वाक्य "सत्यमेव जयते" के साथ राष्ट्र का प्रतीक चिन्ह उभरा होगा और ऊपरी किनारे पर "सराहनीय सेवा के लिए पदक" शब्द और निचले किनारे पर "Medal for Meritorious Service" शब्द उत्कीर्ण होगा। हिंदी और अंग्रेजी उत्कीर्णन दोनों ओर एक छोटे स्टार द्वारा अलग होंगे। पृष्ठ भाग पर मध्य में "अशोक चक्र" और ऊपरी और निचले किनारे पर क्रमशः "सराहनीय सेवा के लिए पदक" और "Medal for Meritorious Service" शब्द उत्कीर्ण होंगे। हिंदी और अंग्रेजी उत्कीर्णन दोनों ओर एक छोटे स्टार द्वारा अलग होंगे।

तीसरे : जिन्हें यह पदक प्रदान किया जाएगा, उनके नाम भारत के राजपत्र में प्रकाशित किए जाएंगे और गृह मंत्रालय में ऐसे नामों का रजिस्टर ऐसे व्यक्ति द्वारा रखा जाएगा जिसे राष्ट्रपति निदेश दे।

चौथे : प्रत्येक पदक बाएं वक्ष पर प्रलंबित होगा और रिबन, एक सही तीन बटे आठ इंच चौड़ी पट्टी होगी और इसमें 04 मिमी चौड़ाई की नीले रंग की दो ऊर्ध्वाधर धारियाँ और मध्य में 08 मिमी चौड़ाई की एक केसरिया रंग की धारी होगी। नीले और केसरिया रंग की धारियाँ 8 मिमी चौड़ाई की लाल रंग की दो ऊर्ध्वाधर धारियों से अलग की जाएंगी।

पांचवे : राष्ट्रपति, उक्त अलंकरण के सम्बंध में किसी व्यक्ति को दिये गये पुरस्कार को रद्द करने और विलोपन करने के लिये सक्षम है और ऐसा करने पर उसका नाम रजिस्टर से हटा दिया जायेगा। तथापि, राष्ट्रपति, ज़ब्त किये गये अलंकरण को बहाल करने के लिये सक्षम है। जिस व्यक्ति को यह अलंकरण प्रदान किया गया है वह इसे प्राप्त करने से पहले इस आशय के करार पर हस्ताक्षर करेगा कि यदि उसका नाम हटा जाता है तो वह पदक वापस देगा। प्रत्येक मामले में पदक रद्द करने या बहाल करने का नोटिस भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जायेगा।

छठे : गृह मंत्रालय, इन संविधियों के प्रयोजनों को कार्यान्वित करने के लिए नियम बनाने में सक्षम होगा।

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 88-प्रेज/2023—राष्ट्रपति सचिवालय द्वारा स्थापित मौजूदा "वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक", "वीरता के लिए राष्ट्रपति का अग्निशमन सेवा पदक", "वीरता के लिए राष्ट्रपति का गृह रक्षक व नागरिक सुरक्षा सेवा पदक" और "वीरता के लिए राष्ट्रपति का सुधार सेवा पदक" का विलय तत्काल प्रभाव से करके नए पदक "राष्ट्रपति का वीरता पदक" का सृजन किया जाता है।

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 89-प्रेज/2023—राष्ट्रपति सचिवालय द्वारा स्थापित मौजूदा “वीरता के लिए पुलिस पदक”, “वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक”, “वीरता के लिए गृह रक्षक व नागरिक सुरक्षा सेवा पदक” और “वीरता के लिए सुधार सेवा पदक” का विलय तत्काल प्रभाव से करके नए पदक “वीरता पदक” का सृजन किया जाता है।

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 90-प्रेज/2023—राष्ट्रपति सचिवालय द्वारा स्थापित मौजूदा “विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक”, “विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का अग्निशमन सेवा पदक”, “विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का गृह रक्षक व नागरिक सुरक्षा सेवा पदक” और “विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का सुधार सेवा पदक” का विलय तत्काल प्रभाव से करके नए पदक “राष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पदक” का सृजन किया जाता है।

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 91-प्रेज/2023—राष्ट्रपति सचिवालय द्वारा स्थापित मौजूदा “सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक”, “सराहनीय सेवा के लिए अग्निशमन सेवा पदक”, “सराहनीय सेवा के लिए गृह रक्षक व नागरिक सुरक्षा सेवा पदक” और “सराहनीय सेवा के लिए सुधार सेवा पदक” का विलय तत्काल प्रभाव से करके नए पदक “सराहनीय सेवा के लिए पदक” का सृजन किया जाता है।

एस एम समी
अवर सचिव

खान मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 सितम्बर 2023

संकल्प

सं. ई-12011/1/2019-हिंदी—खान मंत्रालय के दिनांक 22 अप्रैल, 2022 के संकल्प सं. ई-12011/1/2019-हिंदी के क्रम में एवं संसदीय कार्य मंत्रालय के दिनांक 06 जुलाई, 2023 के कार्यालय ज्ञापन सं. 2-22(2)/1/98-समिति के अनुसरण में खान मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा खान मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति में श्री शिव प्रताप शुक्ल, संसद सदस्य, राज्य सभा के स्थान पर श्री कृष्ण लाल पंवार, संसद सदस्य, राज्य सभा को गैर-सरकारी सदस्य के रूप में शामिल किया जाता है।

2. समिति के कार्य, निबंधन एवं शर्तें पूर्ववत रहेंगी।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति सभी राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों, राष्ट्रपति सचिवालय, उप-राष्ट्रपति सचिवालय, प्रधानमंत्री कार्यालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, संसदीय कार्य मंत्रालय, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, नीति आयोग, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, महालेखाकार, केंद्रीय राजस्व, संसदीय राजभाषा समिति और भारत सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों को भेजी जाए।

2. यह भी आदेश दिया जाता है कि संकल्प को सर्वसाधारण की जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

शकील आलम
आर्थिक सलाहकार

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 14th October 2023

No. 84-Pres/2023—The President is pleased to institute “President’s Medal for Gallantry” award to be conferred on the members of recognized Police Forces of States/Union Territories/Central Police Organizations (CPOs)/Central Armed Police Forces (CAPFs), Security Organizations; Fire Service (organized and administered by the Central Ministries or Departments, State Governments, Union Territory Administrations, Municipal and other Autonomous Bodies, and Public Sector Undertakings); Prison Administration, Home Guards and Civil Defence in India to recognize rare conspicuous gallant act and to make ordain and establish the following statutes governing President’s Medal for Gallantry, which shall be deemed to have effect from the Fourteenth day of October month in the year Two Thousand Twenty Three.

Firstly: The award shall be in the form of a medal and styled and designated the “President’s Medal for Gallantry” and (hereinafter referred to as the Medal).

Secondly: The Medal shall be circular in shape, made of silver with gold gilt, one and three eighth inches in diameter, 3 mm in thickness and shall have embossed on the obverse the State Emblem, with its motto “सत्यमेव जयते” in the Centre and shall have engraved on the upper edge, the words “राष्ट्रपति का वीरता पदक” and the words “President’s Medal for Gallantry” inscribed on the lower edge thereof. Hindi and English inscription shall be separated by a small Star appearing on either side. On the reverse, it shall have embossed the “Ashok Chakra” in the centre and the words “राष्ट्रपति का वीरता पदक” and the words “President’s Medal for Gallantry” on the upper and lower edge respectively. Hindi and English inscription shall be separated by a small Star appearing on either side.

Thirdly: The names of those to whom this medal may be awarded may be published in the Gazette of India and a Register of such names may be kept in the Ministry of Home Affairs by such person as the President may direct.

Fourthly: Each medal shall be suspended from the left breast and the riband, of an inch and three eighth in width, shall be half blue and half silver white, the two colours being separated by a vertical red line 1/8” in width.

Fifthly: Any act of gallantry which is worthy of recognition for the award of President’s Medal for Gallantry but is performed by one upon which the Decoration has already been conferred, may be recorded by a Bar attached to the riband by which the medal is suspended. For every such additional act, an additional Bar may be added and for each Bar awarded, a small silver rose with gold gilt shall be added to the riband when worn alone.

Sixthly: It shall be competent for the President to cancel and annul the award to any person of the above Decoration and that there upon his name in the Register shall be erased. It shall, also, be competent for the President to restore any Decoration, which may have been so forfeited. Every person to whom, the said decoration is awarded shall, before receiving the same, enter into an agreement, to return the medal if his name is erased as aforesaid. Notice of cancellation or restoration in every case shall be published in the Gazette of India.

Seventhly: It shall be competent for the Ministry of Home Affairs to frame guidelines to carry out the purpose of these statutes.

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 85-Pres/2023—The President is pleased to institute “Medal for Gallantry” award to be conferred on the members of recognized Police Forces of States/Union Territories/Central Police Organizations (CPOs) /Central Armed Police Forces (CAPFs), Security Organizations; Fire Service (organized and administered by the Central Ministries or Departments, State Governments, Union Territory Administrations, Municipal and other Autonomous Bodies, and Public Sector Undertakings); Prison Administration, Home Guards and Civil Defence in India to recognize the conspicuous gallant act and to make ordain and establish the following statutes governing Medal for Gallantry, which shall be deemed to have effect from the Fourteenth day of October month in the year Two Thousand Twenty Three.

Firstly: The award shall be in the form of a medal and styled and designated the “Medal for Gallantry” and (hereinafter referred to as the Medal).

Secondly: The Medal shall be circular in shape, made of cupronickel, one and three eighth inches in diameter, 3 mm in thickness and shall have embossed on the obverse the State Emblem, with its motto “सत्यमेव जयते” in the Centre and shall have engraved on the upper edge, the words “वीरता पदक” and the words “Medal for Gallantry” inscribed on the lower edge thereof. Hindi and English inscription shall be separated by a small Star appearing on either side. On the reverse, it shall have embossed the “Ashok Chakra” in the centre and the words “वीरता पदक” and the words “Medal for Gallantry” on the upper and lower edge respectively. Hindi and English inscription shall be separated by a small Star appearing on either side.

Thirdly: The names of those to whom this medal may be awarded may be published in the Gazette of India and a Register of such names may be kept in the Ministry of Home Affairs by such person as the President may direct.

Fourthly: Each medal shall be suspended from the left breast and the riband, of an inch and three eighth in width, shall have three vertical stripes of saffron colour in left, golden yellow colour in middle and green colour in right side. Each stripe will be one third in width of the ribbon.

Fifthly: Any conspicuous act of gallantry which is worthy of recognition by the award of Medal for Gallantry but is performed by one upon which the Decoration has already been conferred, may be recorded by a Bar attached to the riband by which the medal is suspended. For every such additional act, an additional Bar may be added and for each Bar awarded, a small silver rose shall be added to the riband when worn alone.

Sixthly: It shall be competent for the President to cancel and annul the award to any person of the above Decoration and that there upon his name in the Register shall be erased. It shall, however, be competent for the President to restore any Decoration, which may have been so forfeited. Every person to whom the said decoration is awarded shall, before receiving the same, enter into an agreement, to return the medal if his name is erased as aforesaid. Notice of cancellation or restoration in every case shall be published in the Gazette of India.

Seventhly: It shall be competent for the Ministry of Home Affairs to frame guidelines to carry out the purpose of these statutes.

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 86-Pres/2023—The President is pleased to institute the “President’s Medal for Distinguished Service” award to be conferred on the members of recognized Police Forces of States/Union Territories/Central Police Organizations (CPOs)/ Central Armed Police Forces (CAPFs), Security Organizations; Fire Service (organized and administered by the Central Ministries or Departments, State Governments, Union Territory Administrations, Municipal and other Autonomous Bodies, and Public Sector Undertakings); Prison Administration, Home Guards and Civil Defence in India in consideration of the outstanding devotion to duty and to make ordain and establish the following statutes governing “President’s Medal for Distinguished Service” which shall be deemed to have effect from the Fourteenth day of October month in the year Two Thousand Twenty Three.

Firstly: The award shall be in the form of a medal and styled and designated the “President’s Medal for Distinguished Service” and (hereinafter referred to as the Medal).

Secondly: The Medal shall be circular in shape, made of cupronickel, one and three eighth inches in diameter, 3 mm in thickness and shall have embossed on the obverse the State Emblem, with its motto “सत्यमेव जयते” in the Centre and shall have engraved on the upper edge, the words “राष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पदक” and the words “President’s Medal for Distinguished Service” inscribed on the lower edge thereof. Hindi and English inscription shall be separated by a small Star appearing on either side. On the reverse, it shall have embossed the “Ashok Chakra” in the centre and the words “राष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पदक” and the words “President’s Medal for Distinguished Service” on the upper and lower edge respectively. Hindi and English inscription shall be separated by a small Star appearing on either side.

Thirdly: The names of those to whom this medal may be awarded may be published in the Gazette of India and a Register of such names may be kept in the Ministry of Home Affairs by such person as the President may direct.

Fourthly: Each medal shall be suspended from the left breast and the riband, of an inch and three eighth in width, shall have two vertical blue stripes and a golden yellow stripe in the centre of 8 mm each in width. The blue and golden yellow stripes shall be separated by two vertical stripes of red colour of 4 mm width each.

Fifthly: It shall be competent for the President to cancel and annul the award to any person of the above Decoration and that there upon his name in the Register shall be erased. It shall, however, be competent for the President to restore any Decoration, which may have been so forfeited. Every person to whom the said decoration is awarded shall, before receiving the same, enter into an agreement, to return the medal if his name is erased as aforesaid. Notice of cancellation or restoration in every case shall be published in the Gazette of India.

Sixthly: It shall be competent for the Ministry of Home Affairs to frame guidelines to carry out the purpose of these statutes.

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 87-Pres/2023—The President is pleased to institute the “Medal for Meritorious Service” award to be conferred on the members of recognized Police Forces of States/Union Territories/Central Police Organizations (CPOs) /Central Armed Police Forces (CAPFs), Security Organizations; Fire Service (organized and administered by the Central Ministries or Departments, State Governments, Union Territory Administrations, Municipal and other Autonomous Bodies, and Public Sector Undertakings); Prison Administration, Home Guards and Civil Defence in India in consideration of the meritorious

service and to make ordain and establish the following statutes governing “Medal for Meritorious Service” which shall be deemed to have effect from the Fourteenth day of October month in the year Two Thousand Twenty Three.

Firstly: The award shall be in the form of a medal and styled and designated the “Medal for Meritorious Service” and (hereinafter referred to as the Medal).

Secondly: The Medal shall be circular in shape, made of bronze, one and three eighth inches in diameter, 3 mm in thickness and shall have embossed on the obverse the “State Emblem”, with its motto “सत्यमेव जयते” in the Centre and shall have engraved on the upper edge, the words “सराहनीय सेवा के लिए पदक” and the words “Medal for Meritorious Service” inscribed on the lower edge thereof. Hindi and English inscription shall be separated by a small Star appearing on either side. On the reverse, it shall have embossed the “Ashok Chakra” in the centre and the words “सराहनीय सेवा के लिए पदक” and the words “Medal for Meritorious Service” on the upper and lower edge respectively. Hindi and English inscription shall be separated by a small Star appearing on either side.

Thirdly: The names of those to whom this medal may be awarded may be published in the Gazette of India and a Register of such names may be kept in the Ministry of Home Affairs by such person as the President may direct.

Fourthly: Each medal shall be suspended from the left breast and the riband, of an inch and three eighth in width, shall have two vertical blue stripes of 4 mm each in width and a saffron stripe of 8 mm in width in the centre. The blue and saffron stripes shall be separated by two vertical stripes of red colour of 8 mm width each.

Fifthly: It shall be competent for the President to cancel and annul the award to any person of the above Decoration and that there upon his name in the Register shall be erased. It shall, however, be competent for the President to restore any Decoration, which may have been so forfeited. Every person to whom the said decoration is awarded shall, before receiving the same, enter into an agreement, to return the medal if his name is erased as aforesaid. Notice of cancellation or restoration in every case shall be published in the Gazette of India.

Sixthly: It shall be competent for the Ministry of Home Affairs to make rules to carry out the purpose of these statutes.

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 88-Pres/2023—The existing “President’s Police Medal for Gallantry”, “President’s Fire Service Medal for Gallantry”, “President’s Home Guards and Civil Defence Medal for Gallantry” and “President’s Correctional Service Medal for Gallantry” instituted by President’s Secretariat are merged with immediate effect to institute a new medal “President’s Medal for Gallantry”.

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 89-Pres/2023—The existing “Police Medal for Gallantry”, “Fire Service Medal for Gallantry”, “Home Guards and Civil Defence Medal for Gallantry” and “Correctional Service Medal for Gallantry” instituted by President’s Secretariat are merged with immediate effect to institute a new medal “Medal for Gallantry”.

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 90-Pres/2023—The existing “President’s Police Medal for Distinguished Service”, “President’s Fire Service Medal for Distinguished Service”, “President’s Home Guards and Civil Defence Medal for Distinguished Service” and “President’s Correctional Service Medal for Distinguished Service” instituted by President’s Secretariat are merged with immediate effect to institute a new medal “President’s Medal for Distinguished Service”.

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 91-Pres/2023—The existing “Police Medal for Meritorious Service”, “Fire Service Medal for Meritorious Service”, “Home Guards and Civil Defence Medal for Meritorious Service” and “Correctional Service Medal for Meritorious Service” instituted by President’s Secretariat are merged with immediate effect to institute a new medal “Medal for Meritorious Service”.

S.M. SAMI
Under Secretary

MINISTRY OF MINES

New Delhi, the 29th September 2023

RESOLUTION

No. E-12011/1/2019-Hindi—In continuation of Resolution No.E-12011/1/2019-Hindi dated 22nd April, 2022 Ministry of Mines and in pursuance of O.M No.2-22(2)/1/98-Samiti dated 06.07.2023 of Ministry of Parliamentary Affairs, Shri Krishna Lal Panwar, Member of Parliament (Rajya Sabha) is included as a non-official member in the Hindi Salahakar Samiti for the Ministry of Mines vice Shri Shiv Pratap Shukla, Member of Parliament (Rajya Sabha).

2. The functions, terms and conditions etc. of the Samiti will remain unchanged.

ORDER

Ordered that one copy each of this resolution be communicated to all State Governments and the Union Territory Administrations, President's Secretariat, Vice President's Secretariat, Prime Minister Office, Cabinet Secretariat, Ministry of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, NITI Aayog, Comptroller & Auditor General of India, Accountant General of Central Revenues, Committee of Parliament on Official Language and all Ministries and Departments of the Govt. of India.

2. Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

SHAKIL ALAM
Economic Advisor